

VIDYA SHREE ACADEN

An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce

W:www.vsajaipur.com | E:vsajaipur@gmail.com M:+91 9460356652, 8058
Add.: 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 3

// vsajaipur | // vsajaipur

Class - 6th

Subject- Hindi

Topic – अन्चछेद लेखन

Do and learn

4. शष्ट्रीय पर्व

रूपरेखा-पूरे राष्ट्र से, राष्ट्रीय पर्व का संबंध अनेक राष्ट्रीय पर्व।

वे पर्व जिनका संबंध पूरे राष्ट्र से होता है, राष्ट्रीय पर्व कहलाते हैं। 15 अगस्त, 26 जनवरी, 2 अक्तूबर हमारे राष्ट्रीय पर्व हैं। इन पर्वों को मनाने के लिए हम सभी देशवासी राष्ट्रीयता की भावना से इकट्ठे होते हैं। हम सभी इन पर्वों में शामिल होते समय अपनी जाति, धर्म और भाषा आदि को भूल जाते हैं। 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश आज़ाद हुआ। 26 जनवरी, 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। 2 अक्तूबर को महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री का जन्म हुआ था और तीस जनवरी उन सभी शहीदों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने हमारे लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया था। इन पर्वों को मनाने के लिए विशाल जनसभाओं का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज तथा राष्ट्रगान को सम्मान दिया जाता है।

5. ਧੇਂਫ਼ हमारे मित्र

रूपरेखा-हमारे मित्र पेड़, पेड़ों का उपयोग, पेड़ों के काटने से हानि।

हम अपने आस-पास नीम, आम, जामुन, पीपल और सरेस के अनेक पेड़ देखते हैं। ये हमारे ऐसे मित्र हैं, जो हम से कुछ नहीं माँगते, पर हमें बहुत कुछ देते हैं। पेड़ों से हमें ठंडी एवं ताज़ी हवा, छाया और ऑक्सीज़न मिलती है। ऑक्सीज़न को हिंदी में प्राणवायु कहते हैं। यह हमारे जीवन के लिए बहुत ज़रूरी है। इसे हम पेड़ों के बिना नहीं पा सकते। हमें पेड़ों से लकड़ी, दवाइयाँ, फल, रबड़ और अनेक उपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं। पेड़ हमारी धरती के तापमान को संतुलित रखते हैं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को कसकर पकड़े रहती हैं। पेड़ों की नमी के कारण ही जल